Issued in public interest by:
Division of Veterinary Public Health
ICAR-Indian Veterinary Research Institute, Izatnagar, Bareilly (U.P.)

World Milk Day – 01st June

Clean Milk Production

- **India is the world's largest milk producer**
- **Milk is a complete food**
- **Milk is prone to spoilage**

Benefits of Clean Milk Production

- **Reduces contamination and ensures safe milk production**
- **Increased shelf life of milk and better keeping quality**
- **Prevents transmission of food borne and zoonotic diseases**
- **Increases income to farmers**

Milk-borne infections

- **Tuberculosis**
- **Brucellosis (Abortions in 3rd trimester in animals)**
- **Q fever (Abortion in animals and women, and heart disease)**
- **Listeriosis (Abortion in animals and women)**
- **Paratuberculosis**
- **Salmonellosis (Typhoid)**
- **Staphylococcosis (Tonsilitis)**
- **Streptococcosis (Food intoxication, vomiting)**
- **Campylobacteriosis (Abortion in 2nd trimester in animals, intestinal infection in man)**

Knowledge and skills are important to handle milk hygienically

Remember, always drink boiled milk!!!

Milk only clean animals

Use full hand method of milking

Use clean metal containers with lid

DO's

- ✓ **Maintain clean and healthy cows**
- ✓ **Wash hands with soap and clean water before milking**
- ✓ **Wash the udder and dry with a clean cloth**
- ✓ **Discard a few fore-strips of milk**
- ✓ **Use full hand method of milking**
- ✓ **Use clean metal containers with lid for storage of milk**
- ✓ **Transportation of milk to nearest chilling centre at the earliest**

Never milk unclean animals

Never strip or use knuckles for milking

Do not use lidless plastic containers

DONT's

- ✘ **Never milk unclean and diseased animals**
- ✘ **The milker should not**
  a) have dirty hands
  b) be sick
  c) smoke
  d) have long nails
- ✘ **Milk from cows under antibiotic treatment should not be sold until 3 days after last treatment**
- ✘ **Never apply stripping/ knuckling method for milking**
- ✘ **Do not use plastic containers for milk collection/storage**

Important points to remember

- **Test for mastitis on observing blood/clots in milk**
- **If abortion occurs, get your cattle tested promptly**
- **Use only certified disease-free semen for breeding**
- **Follow prompt and routine vaccination schedule**

पशु–जनस्वास्थ्य विभाग भा.कृ.अनु.प.–भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान
द्वारा जनहित में जारी

विश्व दुग्ध दिवस – 01 जून

स्वच्छ दूध उत्पादन : स्वच्छ पियें, स्वस्थ जियें

भारत दुनिया का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक देश है
दूध एक संपूर्ण आहार है
अशुद्ध दूध जल्दी खराब हो सकता है

स्वच्छ दूध उत्पादन के लाभ

- स्वच्छ एवं सुरक्षित दूध उत्पाद
- दूध की बेहतर ताज़गी और गुणवत्ता
- दूध एवं दूध पदार्थों से फैलने वाले रोगों से बचाव
- किसानों की आय मे वृद्धि

याद रखें, हमेशा उबला हुआ दूध पियें !!!

दूध जनित संक्रामक रोग

- टी.बी. (मनुष्यो व पशुओं में क्षय रोग)
- ब्रूसेलोसिस (पशुओं में तीसरी तिमाही का गर्भपात)
- लिस्टिरिओसिस (पशुओं व मनुष्यों में गर्भपात)
- कैम्पाइलोबैक्टीरियोसिस (पशुओं में दूसरी तिमाही का गर्भपात तथा मनुष्यों में आंत्र संक्रमण)
- क्यू फीवर (पशुओं में गर्भपात तथा मनुष्यों में गर्भपात व हृदय संक्रमण)
- सालमोनिल्लोसिस (टायफायड़–आंत्र संक्रमण)
- स्ट्रेप्टोकोक्कोसिस (टॉन्सिल संक्रमण व गठिया रोग)
- स्टेफाइलोकोक्कोसिस (खाघ विषाक्तता, उल्टी)

स्वच्छ दूध उत्पादन के लिए ज्ञान और कौशल महत्वपूर्ण है

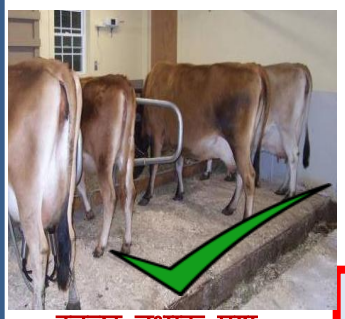

स्वच्छ दूधारू पशु

पूरे हाथों से दूध दुहें

हमेशासाफ, दक्कनदार बर्तन में दूहे

क्या करें

- ✓ दूधारू पशुओं को स्वच्छ और स्वस्थ रखें
- ✓ दूध दुहने से पहले
  - साफ पानी और साबुन से हाथ धोएं
  - गाय का थन व आयान साफ पानी व साबुन से धो के साफ कपडे व टिशू पेपर से पोछे
- ✓ दूध की कुछ प्रथम धाराओं को कटोरी में लेकर फेंक दें
- ✓ दूध दुहने के लिए अंगूठों को नहीं बल्कि पूरे हाथों का प्रयोग करें
- ✓ दुग्ध को हमेशा साफ, दक्कनदार वा बिना जोड़ों के बर्तन में दूहे

गंदा उबटन से दूध न दुहें

✗

अंगूठों से दूध न दुहें

बिना ढक्कन के बर्तनों में दूध न दूहे

क्या न करें

- ✗ कभी भी अस्वस्थ जानवरों का दूध न दुहें
- ✗ दूध दुहने वाले व्यक्ति के
  - हाथ गंदे ना हो
  - नाखून लंबे न हो
  - बुखार, छींक या खांसी न हो
  - धूम्रपान न करें
- ✗ इलाज के तहत एंटीबायोटिक दी जाने वाली गायों का दूध अंतिम उपचार के 3 दिन बाद तक नहीं बेचा जाना चाहिए

महत्वपूर्ण सुझाव

- दूध में खून या चेचड़े आने पर थनैला रोग की जांच करें
- पशुओं को गर्भपात होने पर उनकी जांच कराये
- प्रजनन के लिए केवल प्रमाणित रोग मुक्त वीर्य का उपयोग करें
- पशुओं के शीघ्र और नियमित टीकाकरण